



स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

'ज्ञानतीर्थ', विष्णुपुरी, नांदेड - ४३१ ६०६ (महाराष्ट्र राज्य) भारत

SWAMI RAMANAND TEERTH MARATHWADA UNIVERSITY, NANDED

'Dnyanteerth', Vishnupuri, Nanded - 431 606 (Maharashtra State) INDIA

Established on 17th September, 1994, Recognized By the UGC U/s 2(f) and 12(B), NAAC Re-accredited with 'B++' grade

Phone: (02462)215541

Academic-1 (BOS) Section

website: srtmun.ac.in

E-mail: bos@srtmun.ac.in

शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४ पासून
राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणानुसार लागू
केलेल्या मानवविज्ञान विद्याशाखेतील
पदव्युत्तर प्रथम वर्षाच्या सुधारित
(दुरुस्ती) अभ्यासक्रमा बाबत....

प रि प त्र क

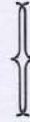
संदर्भ:- १. जा.क्र.शौ-१/परिपत्रक/एनईपीपीजी/मानवविज्ञान/२०२४-२५/४३ दिनांक ०६/०५/२०२४

या परिपत्रकान्वये सर्व संबंधितांना कळविण्यात येते की, संदर्भीय परिपत्रकान्वये दिनांक १६ जून २०२३ रोजी संपन्न झालेल्या मा. विद्यापरिषदेच्या बैठकीतील विषय क्र. ०७/५६-२०२३ अन्वये मान्यता दिल्यानुसार मानवविज्ञान विद्याशाखे अंतर्गत राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणानुसार पदव्युत्तर प्रथम वर्षाचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४ पासून लागू करण्यात आलेले आहेत. तथापी वरील संदर्भीय परिपत्रका अन्वये प्रकाशित केलेल्या अभ्यासक्रमामध्ये अभ्यासमंडळानी किरकोळ दुरुस्ती करून अभ्यासक्रम सादर केला असून मा. अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा यांच्या मान्यतेने दुरुस्ती केलेले खालील अभ्यासक्रम लागू करण्यात येत आहेत.

01 M. A. I year Hindi

सदरील परिपत्रक व अभ्यासक्रम प्रस्तुत विद्यापीठाच्या www.srtmun.ac.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत. तरी सदरील बाब ही सर्व संबंधितांच्या निदर्शनास आणून द्यावी, ही विनंती.

'ज्ञानतीर्थ' परिसर,
विष्णुपुरी, नांदेड - ४३१ ६०६.
जा.क्र.:शैक्षणिक-१/परिपत्रक/एनईपीपीजीदुरुस्ती/मानवविज्ञानवि/
२०२४-२५/२९५
दिनांक : ०६.१०.२०२४



सहाय्यक.कु.रसचिव
शैक्षणिक अभ्यासमंडळ विभाग

- प्रत माहिती व पुढील कार्यवाहीस्तव.
०१. मा. अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा, प्रस्तुत विद्यापीठ.
 ०२. मा. संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
 ०३. मा. संचालक, सर्व संबधित संकुले, प्रस्तुत विद्यापीठ.
 ०४. मा. प्राचार्य, सर्व संबधित महाविद्यालये, प्रस्तुत विद्यापीठ.
 ०५. सिस्टम एक्सपर्ट, शैक्षणिक विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ. यानां देवून कळविण्यात येते की, सदरील परिपत्रक विद्यापीठाच्या संकेतस्थळावर प्रसिध्द करण्यात यावे.

**SWAMI RAMANAND TEERTH
MARATHWADA UNIVERSITY, NANDED-431606**



(Structure and Syllabus of Post Graduate Programme)

**TWO YEAR MASTER DEGREE PROGRAMME
Major in Hindi**

Under the Faculty of Humanities

**SYLLABUS
Hindi
M. A. FIRST YEAR**

Semester I & II

Semester Pattern

(Choice Based Credit System)

Effective from Academic Year 2023-2024

(As per NEP-2020)

Forward by the Deam, Faculty of Humanities

From the Desk of the Dean:

NEP 2020 proposes a new and forward-looking vision for India's Higher Education System through quality universities and colleges. Its key is in the curriculum and its practical implementation.

The curriculum must be exciting, relevant, and regularly updated to align with the latest knowledge requirements and meet specified learning outcomes. High-quality pedagogy is necessary to impart the curricular material to students successfully; pedagogical practices determine the learning experiences provided to students, thus directly influencing learning outcomes. The assessment methods must be scientific, designed to improve learning continuously test the knowledge application.

The university's proper framing and development of syllabi will result in the upbringing and nourishment of multidisciplinary and holistic citizens. Emphasis is on outcome-based learning. Every course has well-defined objectives and outcomes. The assessment guidelines also provide clarity and precision to the vision behind prescribing the particular course content.

NEP foresees more vibrant, socially engaged, cooperative communities and a happier, cohesive, cultured, productive, innovative, progressive, and prosperous nation. The introduction of Research Methodology and ethics will widen the vision and broaden the perspectives of the learners.

Introducing Case Studies and Field Projects has created a unique opportunity for the higher education institute to bridge the gap between the academia, industry and the community NEP believes effective learning requires a comprehensive approach that involves an appropriate curriculum, engaging pedagogy, continuous formative assessment, and adequate student support.

We are sure that the Postgraduate centres of this university and its affiliated colleges will implement the course effectively and successfully, resulting in a healthy and more creative academic ambience.

Prof. Ajay Tengse,
Dean, Faculty of Humanities,
Dr. Vikas Sukale,
Asso. Dean, Faculty of Humanities,
Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded.

हिंदी अध्ययन मंडल के अध्यक्षीय मेज से

उद्देशिका:

स्नातकोत्तर हिंदी का नया पाठ्यक्रम कालोपयोगी, दिशादर्शक और नई संभावनाओं से युक्त तथा उपयुक्त होगा। प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य मूल्याधिष्ठित, ज्ञानाधिष्ठित और समतामूलक समाज की निर्मिति कराना है तो दूसरी ओर छात्रों में कल्पना और प्रतिभा को सृजित करने का सुअवसर प्रदान करना है। इसलिए पाठ्यक्रम में गुणवत्ता, स्तरीयता, सहभागिता, कालोपयोगिता को प्रधानता दी है। छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बिजारोपण हो, सामाजिक प्रतिबद्धता हो, संस्कृति के प्रति अपनत्व हो और वसुधैव कुटुम्बकम् का भाव निर्माण हो। बांग्ला भाषिक कवि चंडिदास के शब्दों में -

“शुनह मानुष भाइ, सबार उपरे मानुष बड, ताहार उपरे नाइ।”

छात्रों में अध्यात्म और वैज्ञानिकता का मणिकांचन संयोग हो। इसी हेतु कबीर, सूर, तुलसी, जैसे संतों को पाठ्यक्रम में रखा है। भक्तिकाव्य से भारतीय ज्ञानप्रणाली का दर्शन हो और छात्र दार्शनिकता समझें। भारतीय परंपरा के साथ छात्रों में वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टि निर्माण हो। इसीलिए अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया जैसा प्रश्नपत्र भी रखा है। उच्च शिक्षा का अनुसंधान के प्रति का लक्ष्य फलिभूत होगा और छात्रों में साहित्यिक अनुसंधान की दृष्टि निर्माण होगी। मध्यकालीन कविता के साथ समकालीन कविता को भी पाठ्यक्रम में रखा है। समकालीन कविता से छात्र अद्यतन और अधुनातन होंगे। मध्यकालीन और समकालीन कविता के संगम से छात्र और अधिक समृद्ध और सृजनशील होंगे। यही पाठ्यक्रम की उपलब्धि और मौलिकता होगी। इसीमें पाठ्यक्रम की सार्थकता निहित है। साहित्य की विभिन्न विधाओं का बोध हो और छात्रों में वैचारिकता निर्माण हो जिस प्रयोजन की फलश्रुति कथेतर साहित्य नामक प्रश्नपत्र से होगी। किसी भी भाषा का साहित्य तभी समृद्ध समझा जाता है जिसका निबंध साहित्य समृद्ध है। उसका उच्चतम उद्धरण मराठी और बांग्ला साहित्य है। हिंदी में सरदारपूर्ण सिंह, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राहुल सांकृत्यायन जैसे निबंधकारों ने हिंदी निबंध का आगार अगाध किया है। इसी अगाध आगार का हिस्सा छात्र बनें। उनमें वैचारिकता निर्माण हो। निबंध के साथ संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा साहित्य जैसी विधाओं को भी पाठ्यक्रम में संकलित किया है। काव्यशास्त्र के सही ज्ञान से कविता की सही समझ आती है इसी हेतु पाठ्यक्रम में रस, ध्वनि, अलंकार, वक्रोक्ति, औचित्य, रीति, अनुकरण, उदात्त, सौंदर्यमूल्य, विरेचन, अभिव्यंजना, वस्तुनिष्ठता, मूल्यात्मकता और संप्रेषण आदि भारतीय तथा पाश्चात्य सिद्धांतों को रखा है। किसी कृति की समीक्षा करते समय विभिन्न पद्धतियों तथा समीक्षकों के भिन्न - भिन्न दृष्टिकोण समझना होगा तभी समीक्षा अधिक सही, सच्ची और अच्छी होगी। इसलिये पाठ्यक्रम में आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, आ. नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा और नामवर सिंह जैसे नामचीन आलोचकों को अंतर्निहित किया है।

साहित्य की ऐतिहासिक परंपरा ज्ञात होगी तभी किसी कृति का सम्यक मूल्यांकन होगा। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हिंदी साहित्य के इतिहास को पाठ्यक्रम में रखा है। छात्रों में ऐतिहासिक दृष्टि निर्माण होगी जो साहित्य की दृष्टि से नई उपज होगी। साहित्य अपने काल का अपत्य होता है। जिस काल के साहित्य का

अध्ययन करना है तो उसका परिवेश और परिस्थिति का ज्ञान होना चाहिए तभी रचना की समीक्षा सम्यक, संतुलित और सार्थक होगी। इस हेतु प्रत्येक काल की आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थिति की जानकारी अंतर्निहित है।

भारत बहुभाषिक, बहुधर्मीय, बहुसांस्कृतिक और लोकतांत्रिक राष्ट्र है। सबकी सहभागिता को प्रधानता देना हमारा परम कर्तव्य है। इसी उद्देश्य से पाठ्यक्रम में स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, किसान विमर्श, आदिवासी विमर्श, बालविमर्श और किन्नर विमर्श जैसे अधुनातन विमर्शों को रखा है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा तथा भारतीय भाषाओं को प्रधानता दी है। भूमंडलीकरण के दौर में भारतीय भाषा संवर्धन अपने आप में अलग महत्व रखता है क्योंकि भाषा मात्र भाषा नहीं होती बल्कि भाषा के माध्यम से संस्कृति वहन करती है। उस धरोहर को अबाधित रखना हमारा दायित्व है। उसी दायित्व की पूर्ति हेतु पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा तथा उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन अंतर्निहित है। इससे भाषा के प्रति अपनत्व निर्माण होगा, भाषा के प्रति समझ बढ़ेगी और भाषा संवर्धन भी होगा। भाषा संवर्धन की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान का संदर्भ याने भाषाशिक्षण। भाषाशिक्षण से छात्रों में भाषिक योग्यता, बोधगम्यता, कौशल तथा व्याकरणिक ज्ञान प्राप्त होगा। भाषाशिक्षण से छात्रों की भाषिक क्षमता विकसित होती है। इसीमें उपादेयता निहित है जिसकी पूर्ति भाषाशिक्षण जैसे प्रश्नपत्र से पूर्ण होगी। अध्ययन के साथ छात्रों का मूल्यमापन भी होना चाहिए इसीलिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम में मूल्यमापन की प्रक्रिया अंतर्निहित है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम श्रेयांक और श्रेणीबद्ध प्रणाली से बनाया गया है। अतः नई शिक्षा नीति की अपार संभावनाओं की मनीषा के साथ

डॉ. परिहार सुजितसिंह

अध्यक्ष-हिंदी अध्ययन मंडल,

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

NOTE:-Need to rewrite as per program out comes and the objectives



Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Members of the Board of Studies in the subject of Hindi

under the faculty of Humanities

Sr No	Name of the Member	Designation	Address with mail id	Contact No.
1	<i>Dr. Sujitsingh Parihar</i>	<i>Chairman</i>	Dnyanopasak Mahavidyalay, Parbhani, Dist. Parbhani-431401 drpariharss@gmail.com	9423444859
2	<i>Dr. Bhagwan Jadhav</i>	<i>Member</i>	People's College, Nanded bhagwanjadhav01@gmail.com	9423688558
3	<i>Dr. Sanjivkumar Narwade</i>	<i>Member</i>	Adarsh Mahavidyalaya, Hingoli svnarwade1670@gmail.com	8625064988
4	<i>Dr. Shivaji Wadchkar</i>	<i>Member</i>	Late Ramesh Warpudar Mahavidyalaya, Sonpethe, Dist. Parbhani 431516, sayaliswapnilwsa@gmail.com	8983848788
5	<i>Dr. Shaikh Raziya</i>	<i>Member</i>	Hu. Bahirji Smarak Mahavidyalaya, Basmatnagar Dist. Hingoli 431512, drskraziya@gmail.com	8888662341
6	<i>Dr. Manohar Bhandare</i>	<i>Member</i>	Shri Havagiswami Mahavidyalay, Udgir, Dist. Latur 413517 dr.bhandaremanohar@gmail.com	8888001651
7	<i>Dr. Baban Bodke</i>	<i>Member</i>	Mahatma Phule Mahavidyalay, Kingaon, Dist. Latur 413523 drbrbodke@gmail.com	9421380048
8	<i>Dr. Santosh Yerawar</i>	<i>Member</i>	Degloor College, Degloor, Dist. Nanded 431717, ysantosh2723@gmail.com	8087004972
9	<i>Dr. Pradeep Suryawanshi</i>	<i>Member</i>	Dayanand Arts college, Latur pradeeplatur4@gmail.com	8482801714
10	<i>Dr. Bharthi Gore</i>	<i>Invited</i>	Dr. BAM University, Aurangabad	9422347678
11	<i>Dr. Hubnath Pandy</i>	<i>Invited</i>	Hindi Dept. University of Mumbai hubnath@gmail.com	9969016973
12	<i>Dr. Nanasheeb Gore</i>	<i>Invited</i>	JES Mahavidyalaya, Jalna nanasheebgore@gmail.com	9422219183
13	<i>Dr. Ravindra Shirsat</i>	<i>Invited</i>	kesharbai Lahoti Mahavidyalaya, Amrawati ravishirsat1976@gmail.com	9403173163
14	<i>Shri. Ramchandra Tiwari</i>	<i>Invited</i>	Shailja Prakashan, Kanpur	8765061708



Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities, Major in Hindi

M.A. F. Y.

Credit Framework of Two-Year PG Program for the faculty of Humanities

Year & Level	Sem.	Major Subject		RM	OJT / FP	Research Project	Credits	Total Credits
		(DSC) Mandatory	(DSE) Electives					
1	2	3	4	5	6	7	8	9
6.0	I	HHINC501 (4 Cr) पूर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य HHINC502 (4 Cr) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) HHINC503 (4 Cr) भारतीय काव्यशास्त्र	Elective HHINE501 (4 Cr) अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	HHINR501 (4 Cr) अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	-	-	20	40
	II	HHINC551 (4 Cr) उत्तर मध्यकालीन काव्य HHINC552 (4 Cr) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) HHINC553 (4 Cr) पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Elective HHINE551 (4 Cr) हिंदी साहित्य और विविध विमर्श	-	HHINF 551 (4 Cr) Field Project	--	20	



Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities, Major in Hindi

Post Graduate Second Year Program

Credit Framework of Two-Year PG Program for the faculty of Humanities

Year & Level	Sem.	Major Subject			OJT / FP	Research Project	Credits	Total Credits
		(DSC) Mandatory	(DSE) Electives					
1	2	3	4	5	6	7	8	9
6.5	III	HHINC601 (4 Cr) आधुनिक कविता HHINC602 (4 Cr) हिंदी नाटक HHINC603 (4 Cr) कथा साहित्य	HHINE601 (4 Cr) हिंदी निबंध साहित्य अथवा HHINE602 (4 Cr) हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण	-	-	HHINR601 (4 Cr) अनुवाद परियोजना अथवा प्रकल्प लेखन	20	40
	IV	HHINC651 (4 Cr) जनसंचार माध्यम HHINC652 (4 Cr) भाषा विज्ञान HHINC653 (2 Cr) हिंदी एकांकी साहित्य	HHINE651 (4 Cr) हिंदी आत्मकथा साहित्य अथवा HHINE652 (4 Cr) हिंदी जीवनी, संस्मरण- रेखाचित्र और यात्रा साहित्य	-	-	HHINR651(6cr) शोध परियोजना	20	
Total Credits		46	16	04	04	10		80

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Faculty of Humanities Major in Hindi
Post Graduate-First Year Programme, Semester-I (Level 6)

Teaching Scheme

2023-2024

Subject	Course code	Course Name	Credits Assigned			Teaching Scheme (Hrs./Week)		Total
			Theory	Practical	Total	Theory	Practical	
Major	HHINC501	पूर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य	04	-	04	04	-	04
	HHINC502	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	04	-	04	04	-	04
	HHINC503	भारतीय काव्यशास्त्र	04	-	04	04	-	04
Major Elective	HHINE501	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	04	-	04	04	-	04
Research Methodology	HHINR501	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	04	-	04	04	-	04
Total			20		20	20		20

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Faculty of Humanities Major in Hindi
Post Graduate-First Year Programme, Semester-II (Level 6)

Teaching Scheme

2023-2024

Subject	Course code	Course Name	Credits Assigned			Teachiing Scheme (Hrs./Week)		Total
			Theory	Practical	Total	Theory	Practical	
Major	HHINC551	उत्तर मध्यकालीन काव्य	04	-	04	04	-	04
	HHINC552	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	04	-	04	04	-	04
	HHINC553	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04	-	04	04	-	04
Major Elective	HHINE551	हिंदी साहित्य और विविध विमर्श	04	-	04	04	-	04
Field Project	HHINF551	Field Project	04	-	04	04	-	04
Total			20		20	20		20

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Faculty of Humanities Major in Hindi
Post Graduate-First Year Programme, Semester-I (Level 6)

Examination Scheme

(20 Continuous Assessment (CA) and 80% End Semester Examination (ESE))

2023-2024

Subject (1)	Course code (2)	Course Name (3)	Theory					Total COL (7+8) (9)
			Continuous Assessment(CA)			ESE		
			Test I (4)	Test II (5)	Assignment (6)	Avg. of T1+T2+Assi/3 (7)	Total (8)	
Major	HHINC501	पूर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य	20	20	20	20	80	100
	HHINC502	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	20	20	20	20	80	100
	HHINC503	भारतीय काव्यशास्त्र	20	20	20	20	80	100
Major Elective	HHINE501	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	20	20	20	20	80	100
Research Methodology	HHINR501	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	20	20	20	20	80	100
Total								500

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Faculty of Humanities Major in Hindi
Post Graduate-First Year Programme, Semester-II (Level 6)

Examination Scheme

(20 Continuous Assessment (CA) and 80% End Semester Examination (ESE))

2023-2024

Subject (1)	Course code (2)	Course Name (3)	Theory					Total COL (7+8) (9)
			Continuous Assessment(CA)			ESE		
			Test I (4)	Test II (5)	Assignment (6)	Test I (4)	Test II (5)	
Major	HHINC551	उत्तर मध्यकालीन काव्य	20	20	20	20	80	100
	HHINC552	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	20	20	20	20	80	100
	HHINC553	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	20	20	20	20	80	100
Major Elective	HHINE551	हिंदी साहित्य और विविध विमर्श	20	20	20	20	80	100
Field Project	HHINF551	Field Project	मौखिकी (viva -voce)			20	80	100
		Total						500
		Total I + II Sem						1000

Note: ESE: End of Semester Examination

FP: Field Project

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC

MA Hindi - Semester-I (Level 6)

Semester Pattern

2023-2024

Subject	Course code	Course Name	Internal Marks	End Semester Exam	Total CA+ESE
Major	HHINC501	पूर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य	20	80	100
	HHINC502	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	20	80	100
	HHINC503	भारतीय काव्यशास्त्र	20	80	100
Major Elective	HHINE501	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	20	80	100
Research Methodology	HHINR501	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	20	80	100

MA Hindi- Semester-II

Subject	Course code	Course Name	Internal Marks	End Semester Exam	Total CA+ESE
Major	HHINC551	उत्तर मध्यकालीन काव्य	20	80	100
	HHINC552	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	20	80	100
	HHINC553	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	20	80	100
Major Elective	HHINE551	हिंदी साहित्य और विविध विमर्श	20	80	100
Field Project	HHINF551	Field Project	20	80	100

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-I Paper Code- HHINC501

Paper Title: पूर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. भक्तिकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
2. अहिंदी भाषिक संत नामदेव के साहित्यिक योगदान को बताना।
3. कबीर की धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक प्रतिबद्धता से परिचित कराना।
4. संत तुलसीदास के रामभक्ति का बोध कराना।
5. भ्रमरगीत की प्रेमानुभूति और भक्ति से अवगत कराना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. भक्ति आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि के अध्ययन से भक्तिसाहित्य का सही और सार्थक मूल्यांकन होगा।
2. महाराष्ट्र का हिंदी के भक्तिसाहित्य में क्या योगदान है, उसका ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
3. कबीर के काव्य से छात्रों में धर्मनिरपेक्षता, गुरु के प्रति आदर और नीति निर्माण होगी।
4. भक्ति की श्रेष्ठता का परिचय सूरदास के काव्य से होगा।
5. छात्रों पर राम के आदर्श और उदात्त मूल्यों का प्रभाव होगा।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-I Paper Code- HHINC501

Title: पूर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य

Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		भक्तिकाव्य	12
	1.1	भक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि	
	1.2	भक्ति का स्वरूप	
	1.3	भक्तिकाव्य के प्रमुख सम्प्रदाय	
	1.4	भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियाँ	
2		संत नामदेव - नामदेव रचनावली - संपा. गोविंद रजनीश, अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली (सं. 2009) (पद - 1 से 25)	12
3		कबीर - कबीर ग्रंथावली - संपा. डॉ. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (दोहे - गुरदेव कौ अंग - 11 से 20, माया कौ अंग - 11 से 20 और कथणी बिना करणी कौ अंग - 1 से 4)	12
4		सूरदास - भ्रमरगीतसार - आ. रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (पद - 1 से 25)	12
5		तुलसीदास - रामचरितमानस - गीता प्रेस, गोरखपुर (उत्तरकांड - 36 से 60)	12
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. डॉ. विजयेंद्र स्नातक - कबीर, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली -110002
2. आ. रामचंद्र शुक्ल - सूरदास, प्रकाशन संस्थान, 4268B,3, अन्सारी रोड, पुराना दरियागंज, दिल्ली - 110002
3. आ. परशुराम चतुर्वेदी - संत साहित्य के प्रेरणा स्रोत, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली -110002
4. डॉ. सरनामसिंह शर्मा - कबीर - व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली -110002
5. डॉ. रामचंद्र तिवारी - कबीर - मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.) 211001
6. डॉ. विनय मोहन शर्मा - हिंदी के मराठी संतों की देन, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली -110002
7. आ. परशुराम चतुर्वेदी - उत्तरी भारत की संत परंपरा, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली -110002
8. पं. उदयनारायण तिवारी - वीर काव्य, भारती भंडार लीडर प्रेस, इलाहाबाद
9. डॉ. मुशीराम शर्मा - तुलसी का मानस, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नयी दिल्ली - 110003
10. डॉ. प्रेमशंकर - तुलसी की साधना, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, 2/35, अन्सारी रोड, पुराना दरियागंज, दिल्ली - 110002
11. डॉ. प्रेमशंकर - रामकाव्य और तुलसी, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - गोस्वामी तुलसीदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
13. डॉ. रामचंद्र मिश्र-संत नामदेव और हिंदी पद साहित्य, शैलेंद्र साहित्य सदन फर्रुखाबाद, (उ.प्र.)
14. मैनेजर पांडेय - भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
15. हजारीप्रसाद द्विवेदी - कबीर, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली -110002

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-I Paper Code –HHINC502

Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के काल विभाजन की जानकारी देना।

2. इतिहास और साहित्य के इतिहास के अंतर्संबंध से अवगत कराना।

3. आदिकाल के स्वरूप से परिचित कराना।

4. छात्र सिद्ध, जैन, नाथ और रासो साहित्य के योगदान को जान सकें।

5. भक्तिकाव्य के आंदोलन से अवगत कराना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. साहित्य का इतिहास पढ़ने से साहित्यिक मूल्यांकन की दृष्टि निर्माण होगी।

2. भक्तिकाव्य पढ़ने से छात्रों में आध्यात्मिक भाव निर्माण होगा और सामाजिक प्रतिबद्धता बढ़ेगी।

3. कबीर, सूर, जायसी और तुलसीदास के साहित्यिक योगदान का परिचय होगा।

4. लक्षण ग्रंथों के योगदान से अवगत होंगे।

5. हिंदी साहित्य का इतिहास पढ़ने से तत्कालीन परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त होगी।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-I Paper Code –HHINC502

Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		हिंदी साहित्य के इतिहास का सैद्धांतिक पक्ष	12
	1.1	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन	
	1.2	हिंदी साहित्येतिहास लेखन परंपरा	
	1.3	हिंदी साहित्य कालविभाजन	
	1.4	हिंदी साहित्य का नामकरण	
2		आदिकालीन साहित्य	12
	2.1	आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ	
	2.2	रासो साहित्य : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ	
	2.3	जैन साहित्य : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ	
	2.4	सिद्ध, नाथ साहित्य : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ	
3		भक्तिकाव्य का सैद्धांतिक पक्ष	12
	3.1	भक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि	
	3.2	भक्ति आंदोलन का उदय	
	3.3	भक्ति आंदोलन का विकासक्रम	
	3.4	भक्तिकाव्य का अखिल भारतीय स्वरूप	
4		भक्तिकाव्य	12
	4.1	संत काव्य की विशेषताएँ	
	4.2	सूफी काव्य की विशेषताएँ	
	4.3	कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताएँ	
	4.4	राम भक्ति काव्य की विशेषताएँ	
5		रीतिकाल	12
	5.1	रीतिकालीन परिस्थितियाँ	
	5.2	रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ	
	5.3	रीतिसिद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ	
	5.4	रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ	
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.) 211001
2. सं. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अन्सारी रोड, पुराना दरियागंज, दिल्ली
3. शिवकुमार शर्मा - हिंदी साहित्य का इतिहास: युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, 2615, नई सडक, दिल्ली
4. डॉ. लक्ष्मी सागर वाष्णव - हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.) 211001
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
6. डॉ. रामकुमार वर्मा - हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामनारायण लाल प्रकाशक तथा पुस्तक विक्रेता, इलाहाबाद
7. डॉ. नगेंद्र - रीति काव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अन्सारी रोड, पुराना दरियागंज, दिल्ली
8. डॉ. मैनेजर पाण्डेय - साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
9. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - हिंदी साहित्य का अतीत, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी
10. डॉ. चंद्रभानु सोनवणे - हिंदी साहित्य सही इतिहास, आलोक प्रकाशन, औरंगाबाद.
11. डॉ. अमरप्रसाद जैस्वाल - हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिगत इतिहास, कल्पना प्रकाशन, नांदेड.
12. डॉ. नामदेव उतकर - हिंदी साहित्य की युगीन प्रवृत्तियाँ, चंद्रलोक प्रकाशन, 132, शिवराम कृपा, मयूर पार्क, वसंत विहार, नौबास्ता, कानपुर - 208021

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-I Paper Code –HHINC503

Paper Title: भारतीय काव्यशास्त्र (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. संस्कृत तथा हिंदी काव्यशास्त्र की परंपरा का परिचय कराना।
2. रस सिद्धांत को समझाना।
3. अलंकार की अवधारणा, प्रकार को बताना।
4. रीति सिद्धांत का आकलन कराना।
5. ध्वनि सिद्धांत की उपयोगिता से परिचित कराना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से छात्रों में साहित्य के प्रति समझ बढेगी।
2. रस सिद्धांत से कविता के मूल्यांकन की दृष्टि प्राप्त होगी।
3. अलंकार सिद्धांत से ज्ञान वृद्धी होगी।
4. ध्वनि सिद्धांत से भाषिक उच्चारण और अधिक शुद्ध होगा।
5. वक्रोक्ति सिद्धांत पढने से काव्य का लक्ष्यार्थ और व्यंग्यार्थ समझ में आयेगा।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-I Paper Code –HHINC503

Title: भारतीय काव्यशास्त्र Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		रस सिद्धांत	12
	1.1	रस का स्वरूप	
	1.2	रसनिष्पत्ति	
	1.3	रस के अंग	
	1.4	साधारणीकरण	
2		अलंकार सिद्धांत	12
	2.1	अलंकार : मूल स्थापनाएँ	
	2.2	अलंकारों का वर्गीकरण	
	2.3	अलंकार और अलंकार्य में अंतर	
	2.4	अलंकार संप्रदाय का विकास	
3		रीति सिद्धांत	12
	3.1	रीति की अवधारणा	
	3.2	रीति और गुण	
	3.3	रीति और शैली	
	3.4	रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ	
4		ध्वनि सिद्धांत	12
	4.1	ध्वनि सिद्धांत का अर्थ	
	4.2	ध्वनि सिद्धांत : अवधारणा एवं स्वरूप	
	4.3	ध्वनि के विभिन्न रूप और उसके भेदाभेद	
	4.4	ध्वनि सिद्धांत के समर्थक आचार्य	
5		वक्रोक्ति सिद्धांत	12
	5.1	वक्रोक्ति की अवधारणा	
	5.2	वक्रोक्ति के भेद	
	5.3	वक्रोक्ति : समर्थक आचार्य और उनके मत	
	5.4	वक्रोक्ति सिद्धांत का मूल्यांकन	
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. योगेंद्र प्रताप सिंह - भारतीय काव्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली -110002
2. डॉ. रामचंद्र तिवारी - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.)
3. डॉ. उषा शुक्ल - भारतीय काव्य शास्त्र, कैलास पुस्तक सदन, हमिदिया रोड, पंजाब बूट हाऊस के नजदीक, बाल विहार, पियर गेट एरिया, भोपाल
4. डॉ. सुरेश अग्रवाल - भारतीय काव्यशास्त्र, अशोक प्रकाशन, 2615, नई सडक, दिल्ली
5. डॉ. तारकनाथ बाली - भारतीय काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
6. कृष्णदेव झारी - भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत, शारदा प्रकाशन, एफ 3, अन्सारी रोड, सेक्टर - 16, दरियागंज, नई दिल्ली
7. डॉ. नगेंद्र - भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अन्सारी रोड, पुराना दरियागंज, दिल्ली
8. बच्चन सिंह - हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
9. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
10. नामवर सिंह - दूसरी परम्परा की खोज, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-I Paper Code –HHINE501

Paper Title: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. अस्मितामूलक विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
2. दलित, स्त्री और आदिवासी विमर्श की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना।
3. अस्मिता का एहसास कराना।
4. 'नागफणी', 'रेत समाधि' और 'ग्लोबल गाँव के देवता' जैसी रचनाओं का अध्ययन करना ।
5. छात्रों में चेतना निर्माण करना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. अस्मितामूलक की वैचारिकी से छात्र और अधिक प्रगल्भ और समझदार होंगे ।
2. 'नागफणी' आत्मकथा पढ़ने से दलित जीवन की पृष्ठभूमि का परिचय होगा।
3. वैश्वीकरण का आदिवासी साहित्य पर कैसा प्रभाव हुआ है, उसका बोध 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास से होगा।
4. बुकर पुरस्कार से पुरष्कृत 'रेत समाधि' उपन्यास से असाधारण स्त्री अस्मिता का एहसास होगा।
5. 'रेत समाधि' के प्रगल्भ भाषाशिल्प का अध्ययन होगा।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-I Paper Code –HHINE501

Title: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		अस्मितामूलक विमर्श	12
	1.1	अस्मितामूलक विमर्श का अर्थ एवं स्वरूप	
	1.2	दलित विमर्श : अवधारणा और स्वरूप	
	1.3	स्त्री विमर्श : अवधारणा और स्वरूप	
	1.4	आदिवासी विमर्श : अवधारणा और स्वरूप	
2	2.1	रूपनारायण सोनकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	12
	2.2	रूपनारायण सोनकर - 'नागफणी' (आत्मकथा), शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 10295, स्ट्रीट नं. 1, वैस्ट गोरखपार्क, शाहदरा, दिल्ली -110032	
	2.3	नागफणी आत्मकथा में दलित जीवन	
	2.4	नागफणी में आत्मकथा की विशेषताएँ	
3	3.1	गीतांजलि श्री का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	12
	3.2	गीतांजलि श्री - 'रेत समाधि' (उपन्यास) - राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली -110002	
	3.3	रेत समाधि की कथावस्तु और स्त्रीजीवन	
	3.4	रेत समाधि उपन्यास का शिल्प एवं उद्देश्य	
4	4.1	रणेन्द्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	12
	4.2	रणेन्द्र - 'ग्लोबल गाँव के देवता', भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नयी दिल्ली - 110003	
	4.3	ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास की कथावस्तु और आदिवासी जीवन	
	4.4	ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास का उद्देश्य	
5		प्रस्तुत प्रश्नपत्र से संबंधित साहित्यकार का सामान्य परिचय	12
	5.1	जयप्रकाश कर्दम	
	5.2	सुशीला टाकभौरे	
	5.3	मैत्रेयी पुष्पा	
	5.4	हरिराम मीणा	
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रभा खेतान - बाज़ार के बीच : बाज़ार के खिलाफ, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
2. हरपाल सिंह 'अरुष' - दलित साहित्य की भूमिका, जवाहर पुस्तकालय, मेन रोड, सरदार बाजार, मथुरा (उ.प्र.) 281001
3. नमिता सिंह - स्त्री प्रश्न, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
4. संपा. केदार प्रसाद मीणा - आदिवासी कहानियाँ, अलख प्रकाशन, 31, शिवशक्ती नगर, किंग्स रोड, अजमेर हाई-वे, जयपुर - 302019
5. अनामिका - स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
6. रजत रानी 'मीनू' - अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
7. शरणकुमार लिंबाळे - भारतीय दलित साहित्य, साहित्य अकादमी, रबीन्द्र भवन, 35, फेरोजशाह रोड, नई दिल्ली 110001
8. हरि राम मीणा - आदिवासी दर्शन और समाज, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
9. रमणीका गुप्ता - भारत का आदिवासी स्वर, अनन्य प्रकाशन, ई-17, पंचशील गार्डन, शाहदरा, दिल्ली - 110032
10. ओमप्रकाश वाल्मीकि - दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
11. डॉ. मनोहर भंडारे - इक्कीसवीं सदी के विविध विमर्श, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-I Paper Code –HHINR501

Paper Title: अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. छात्रों में अनुसंधान की दृष्टि निर्माण करना।
2. अनुसंधान की अवधारणा और स्वरूप से परिचित कराना।
3. शोध की परिकल्पना से अवगत कराना।
4. अनुसंधान और आलोचना के अंतर को बताना।
5. तथ्य संकलन कैसा करें उसके ज्ञान से अवगत कराना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. छात्रों में साहित्यिक अनुसंधान की दृष्टि निर्माण होगी।
2. आलोचना और अनुसंधान के अंतर्संबंध तथा अंतर का ज्ञान होगा।
3. छात्रों में तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टि निर्माण होगी।
4. अनुसंधान कैसा करें उसका ज्ञान प्राप्त होगा।
5. छात्रों के भविष्यलक्षी जीवन के लिए प्रस्तुत प्रश्नपत्र अत्यंत कारगर साबित होगा।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-I Paper Code –HHINR501

Title: अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		अनुसंधान	12
	1.1	अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	
	1.2	अनुसंधान के प्रकार	
	1.3	अनुसंधान की व्याप्ति	
	1.4	अनुसंधान का महत्व	
2		अनुसंधान के सोपान	12
	2.1	समस्या का चयन	
	2.2	शोध की परिकल्पना, पुर्वानुसंधान	
	2.3	शोध की रूपरेखा	
	2.4	तथ्य संकलन एवं निष्कर्ष	
3		अनुसंधान की पद्धतियाँ	12
	3.1	आलोचनात्मक शोध पद्धति	
	3.2	ऐतिहासिक अनुसंधान पद्धति	
	3.3	क्षेत्रीय अध्ययन पद्धति	
	3.4	वैज्ञानिक शोध पद्धति	
4		तथ्य संकलन की प्रविधियाँ	12
	4.1	प्रश्नावली	
	4.2	अनुसूची	
	4.3	साक्षात्कार	
	4.4	निरीक्षण	
5		अनुसंधान प्रतिवेदन : लेखन (Research Report : Writing)	12
	5.1	शोध प्रतिवेदन का प्रारूप	
	5.2	प्रतिवेदन का मुख्य भाग	
	5.3	शोध प्रतिवेदन का उद्देश्य	
	5.4	शोध प्रतिवेदन की लेखन शैली	
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. डॉ. विनयमोहन शर्मा - शोध प्रविधि, मयूर पेपरबैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नोएडा - 201301
2. विजयपाल सिंह - हिंदी अनुसंधान, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.) 211001
3. डॉ. राजेंद्र मिश्र - अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, तक्षशिला प्रकाशन 98-ए, हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
4. डॉ. परमेश्वरी लाल गुप्त - शोध और समीक्षा, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, पुलिस स्टेशन, विशालक्षी बिल्डिंग, चौक, वाराणसी - 221001
5. संपा. डॉ. उमाकांत गुप्त और डॉ. ब्रजरतन जोशी - अनुसंधान स्वरूप और आयाम, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
6. संपा. डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेंद्र स्नातक - अनुसंधान प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. एस. एन. गणेशन - अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-II Paper Code- HHINC551

Paper Title: उत्तर मध्यकालीन काव्य (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. रीतिकाव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
2. रहीम की कृष्णभक्ति को दर्शाना है।
3. बिहारी की नीति और काव्य सौंदर्य से अवगत कराना है।
4. भूषण की राष्ट्रीयता को बताना है।
5. घनानंद की प्रेमानुभूति का एहसास कराना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. रीतिकाल में जो लक्षण ग्रंथ लिखे हैं, उसका ज्ञान प्राप्त होगा।
2. रहीम की कृष्णभक्ति से छात्रों में धर्मनिरपेक्षता भाव निर्माण होगा।
3. भूषण की कविता से छात्रों को प्रेरणा मिलेगी और उनमें राष्ट्रभक्ति का भाव निर्माण होगा।
4. घनानंद के प्रेमानुभूति से त्याग और समर्पण आएगा।
5. बिहारी की नीति और सौंदर्य से प्रगल्भता, नैतिकता और सुंदरता आएगी।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-II Paper Code- HHINC551

Title: उत्तर मध्यकालीन काव्य

Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		रीतिकालीन काव्य	12
	1.1	रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि	
	1.2	रीतिकालीन काव्य का स्वरूप	
	1.3	रीतिकालीन काव्य का विकासक्रम	
	1.4	रीतिकालीन काव्य की विशेषताएँ	
2		रहीम - रहीम ग्रंथावली (दोहे - 1 से 25) - संपा. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली - 110002	12
3		बिहारी - बिहारी रत्नाकर (दोहे - 1 से 25) - संपा. जगनाथ रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, पहला फ्लोअर, दरबारी बिल्डिंग महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन्स, प्रयागराज (उ.प्र.) - 211001	12
4		भूषण - भूषण ग्रंथावली (शिवभूषण - दोहे - 5 से 30) - आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली - 110002	12
5		घनानंद - घनानंद कवित्त (पद - 1 से 25) - आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, चंद्रप्रकाश वाणी वितान, प्रकाशन ब्रह्मनाल, वाराणसी	12
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. डॉ. बच्चनसिंह - बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.) 211001
2. संपा. ओमप्रकाश - बिहारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, 7/31, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली
3. हरिमोहन मालवीय - बिहारी का काव्य, सरस्वती प्रकाशन मंदिर, नया बैरहना, प्रयागराज
4. डॉ. प्रकाश त्रिपाठी - रहीम की काव्यभाषा, हिंदुस्तानी अकॅडेमी, 12डी, कमला नेहरू मार्ग, प्रयागराज
5. देशराज सिंह भाटी - रहीम ग्रंथावली, नमन प्रकाशन, 4231/1, अन्सारी रोड, दरियागंज, पृथ्वीराज रोड, दिल्ली
6. पं. बमबम सिंह नीलकमल - रहीम - साहित्य की भूमिका, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
7. राजमल बोरा - भूषण, साहित्य अकादेमी, रबीन्द्र भवन, 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली
8. संपा. गो. स. सरदेसाई - कविवर्य भूषण विरचित शिवाबावनी, वर्धा बुक्स, पुणे
9. डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि - घनआनंद कवित्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, पुलिस स्टेशन, विशालक्षी बिल्डिंग, चौक, वाराणसी - 221001

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-II Paper Code –HHINC552

Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. आधुनिक काल की परिस्थितियों और पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. पुनर्जागरण से परिचित कराना।
3. भारतेंदुयुग, द्विवेदीयुग और छायावादीयुग की काव्यगत विशेषताओं से परिचित कराना।
4. प्रगतीवादी, प्रयोगवादी और नई कविता की प्रवृत्तियों को बताना।
5. हिंदी की साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. आधुनिक साहित्यिक प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. स्वाधीनता आंदोलन का हिंदी साहित्य पर जो प्रभाव हुआ है जिसकी जानकारी प्राप्त होगी।
3. हिंदी साहित्य पर गांधीवादी, मार्क्सवादी और अस्तित्ववादी विचारधारा का प्रभाव हुआ है उस प्रभाव को समझेगा।
4. साहित्य के इतिहास के अध्ययन से साहित्य के प्रति विहंगम दृष्टि निर्माण होगी।
5. राष्ट्रीय काव्यधारा से छात्रों में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा निर्माण होगी।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-II Paper Code –HHINC552

Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		आधुनिक काल	12
	1.1	आधुनिक काल की वैचारिकी	
	1.2	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	
	1.3	आधुनिक काल की प्रवृत्तियाँ	
	1.4	आधुनिक काल : भारतेंदु पूर्व युग	
2		आधुनिक काव्य - भाग -1	12
	2.1	भारतेंदुयुगीन काव्य की विशेषताएँ	
	2.2	द्विवेदीयुगीन काव्य की विशेषताएँ	
	2.3	छायावादीयुगीन काव्य की विशेषताएँ	
	2.4	प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ	
3		आधुनिक काव्य - भाग- 2	12
	3.1	प्रयोगवाद काव्य की प्रवृत्तियाँ	
	3.2	नई कविता की प्रवृत्तियाँ	
	3.3	समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ	
	3.4	उत्तरआधुनिककालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	
4		राष्ट्रीय तथा सांस्कृतिक काव्यधारा	12
	4.1	राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्यधारा की परिस्थितियाँ	
	4.2	राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्यधारा का स्वरूप	
	4.3	राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्यधारा की विशेषताएँ	
	4.4	राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि	
5		हिंदी गद्य विधाओं का विकासक्रम	12
	5.1	उपन्यास साहित्य : संक्षिप्त परिचय	
	5.2	कहानी साहित्य : संक्षिप्त परिचय	
	5.3	निबंध साहित्य : संक्षिप्त परिचय	
	5.4	नाटक साहित्य : संक्षिप्त परिचय	
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. बच्चनसिंह - हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, 7/31, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
2. लक्ष्मीसागर वाष्णव - आधुनिक हिंदी साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.)
3. डॉ. रामसागर त्रिपाठी - बृहत् साहित्यिक निबन्ध, अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
4. रामविलास शर्मा - लोकजागरण और हिंदी सौंदर्य, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली - 110002
5. नामवर सिंह - दूसरी परम्परा की खोज, राजकमल प्रकाशन, 1-B, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002
6. डॉ. तारकनाथ बाली - हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास, प्रभात प्रकाशन, 4/19, असफअली रोड, मेट्रो स्टेशन, नई दिल्ली - 110002
7. डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास विकास प्रकाशन, 110/138, रमाकांत मिश्रा रोड, रामकृष्ण नगर, जवाहर नगर, कानपुर - 208012
8. शिवकुमार शर्मा - हिंदी साहित्य का इतिहास, युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, 2615, नई सडक, दिल्ली
9. सं. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 4230/1, अन्सारी रोड, दरियागंज, दिल्ली - 110002
10. विजयमोहन सिंह - आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
11. रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.)

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-II Paper Code –HHINC553

Paper Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र (Major)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा का ज्ञान देना है।
2. अनुकरण सिद्धांत से परिचित कराना।
3. उदात्त तत्व की अवधारणा और स्वरूप को बताना।
4. टी. एस. इलियट के काव्य सिद्धांत से अवगत कराना।
5. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद को समझाना है।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. काव्य को समझने की सम्यक दृष्टि प्राप्त होगी।
2. साहित्यिक सहृदयता निर्माण होगी।
3. मूल्य सिद्धांत से साहित्य की समीक्षा करने की समझ आयेगी।
4. कला निर्मिति में निर्वैक्तिकता कितनी जरूरी है उसका बोध होगा।
5. उत्तर संरचनावाद से भाषिक मूल्यांकन की दृष्टि प्राप्त होगी।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Faculty of Humanities Major in DSC Hindi
Semester-II Paper Code –HHINC553

Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		प्लेटो और अरस्तू के काव्य सिद्धांत	12
	1.1	प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत	
	1.2	अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत	
	1.3	विरेचन सिद्धांत	
	1.4	त्रासदी	
2		लॉजाइनस और उनका उदात्त तत्व	12
	2.1	उदात्त तत्व की अवधारणा और स्वरूप	
	2.2	उदात्त तत्व का स्वरूप	
	2.3	उदात्त के अंतरंग तत्व	
	2.4	उदात्त के बहिरंग तत्व	
3		आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धांत	12
	3.1	आई. ए. रिचर्ड्स का परिचय	
	3.2	मूल्य सिद्धांत	
	3.3	संप्रेषण सिद्धांत	
	3.4	काव्य भाषा	
4		टी. एस. इलियट के सिद्धांत	12
	4.1	टी. एस. इलियट का परिचय	
	4.2	कला की निर्वैक्तिकता	
	4.3	परंपरा की अवधारणा	
	4.4	वस्तुनिष्ठ समीकरण सिद्धांत	
5		विभिन्न वाद	12
	5.1	स्वच्छंदतावाद	
	5.2	मार्क्सवाद	
	5.3	उत्तरसंरचनावाद	
	5.4	विखंडनवाद	
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. देवेंद्रनाथ शर्मा - पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 4230/1, अन्सारी रोड,
दरियागंज, दिल्ली - 110002
2. डॉ. भगीरथ मिश्र - डॉ. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी - 221001
3. डॉ. रामचंद्र तिवारी - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन,
दरबारी बिल्डिंग, इलाहाबाद
4. डॉ. नगेंद्र - अरस्तू का काव्यशास्त्र, दिल्ली माध्यम, कार्यान्वयन, विदेशालय, विश्वविद्यालय,
दिल्ली
5. डॉ. नगेंद्र और सावित्री सिन्हा - भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा, दिल्ली माध्यम,
कार्यान्वयन, विदेशालय, विश्वविद्यालय, दिल्ली
6. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त - पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, 2615, नई
सडक,
दिल्ली
7. शंभुदत्त - रिचर्ड्स के आलोचनात्मक सिद्धांत, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, शिक्षा भवन, सैदपुर,
पटना - 800004
8. कृष्णदेव शर्मा - पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विनोद पुस्तक मंदिर, 11/6, डॉ. रंगेया राघव मार्ग,
आग्रा - 282002
9. रामपूजन तिवारी - पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. डॉ. रामचंद्र तिवारी - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना, संजय बुक
सेंटर, गोलघर, वाराणसी
11. गोपीचंद्र नारंग - संरचनावाद उत्तर - संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, साहित्य अकादेमी
प्रकाशन, रवींद्र भवन, 35 फेरोजशाह रोड, नई दिल्ली - 110001

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Post Graduate-First Year Programme,

Semester-II Paper Code –HHINE551

Paper Title: हिंदी साहित्य और विविध विमर्श (*Elective*)

Curriculum Details

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. विमर्श का स्वरूप और उसकी प्रवृत्तियों को समझाना।
2. समकालीन हिंदी साहित्य और किसान विमर्श से परिचित कराना।
3. किसान विमर्श, बाल विमर्श और किन्नर विमर्श की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना।
4. प्रो. दिनेश चामोला 'शैलेश' की बाल कविता का परिचय कराना।
5. 'यमदीप' उपन्यास के योगदान को बताना।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. विमर्श के वैचारिक पृष्ठभूमि का बोध होगा।
2. 'कथा में गाँव' कहानी संग्रह से भारतीय किसान की वर्तमान स्थिति से रूबरू होंगे।
3. भारतीय समाज में किन्नर का क्या स्थान है उसका एहसास 'यमदीप' उपन्यास से होगा।
4. प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश' की बाल कविता से बाल जीवन के प्रति सह्यता निर्माण होगी।
5. विमर्श की रचनाओं से छात्रों में और अधिक साहित्यिक समझ आयेगी।

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Faculty of Humanities Major in DSC Hindi
Semester-II Paper Code –HHINE551

Title: हिंदी साहित्य और विविध विमर्श Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		विविध विमर्श	12
	1.1	किसान विमर्श : अवधारणा और स्वरूप	
	1.2	बाल विमर्श : अवधारणा और स्वरूप	
	1.3	किन्नर विमर्श : अवधारणा और स्वरूप	
	1.4	किसान, बाल एवं किन्नर साहित्य की प्रवृत्तियाँ	
2		किसान विमर्श	12
	2.1	सुभाषचंद्र कुशवाहा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
	2.2	संपा. सुभाषचंद्र कुशवाहा - 'कथा में गाँव' (कहानी संग्रह), संवाद प्रकाशन, आई - 499, शास्त्री नगर, मेरठ - 250004 (उ.प्र.)- केवल दस कहानियाँ - 1) प्रेरणास्त्रोत, 2) छुंछी, 3) उज्जदारी, 4) मुठ्ठी में गाँव, 5) कुआँ, 6) मंसा बढई, 7) तिलेसरी, 8) हेलीकॉप्टर, 9) नवजात, 10) बुडान	
3		बाल विमर्श	12
	3.1	प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
	3.2	प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश' - 'एक सौ एक बाल गीत' (काव्य संग्रह), आदिश प्रकाशन, 23, गढ विहार, फेज-1, मोहकमपुर, देहरादून - 248005 - केवल दस बाल कविताएँ - 1) रोन का क्या काम यहाँ ?, 2) सत्य जीव का असली घर है, 3) भला न लगता रहना मौन, 4) वे दिन कितने अच्छे होते !, 5) आना देहरादून - मसूरी, 6) मम्मी, सच बतलाओ, 7) सच्चा इक इन्सान बनूँ, 8) चिट्ठी, 9) हिमालय, 10) भारत माता प्यारी	
4		किन्नर विमर्श	12
	4.1	नीरजा माधव का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
	4.2	नीरजा माधव - 'यमदीप' (उपन्यास) सामाईक प्रकाशन, 3220-21, जतवारा, एन. एस. मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002	
	4.3	यमदीप उपन्यास की कथावस्तु	
5		प्रस्तुत प्रश्नपत्र से संबंधित साहित्यकार का सामान्य परिचय	12
	5.1	परशुराम शुक्ल	
	5.2	डॉ. हरिकृष्ण देवसरे	
	5.3	महेन्द्र भीष्म	
	5.4	शिवमूर्ति	
		TOTAL	60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. दिलीप मेहरा - हिंदी साहित्य में किन्नर जीवन, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
2. श्यामबिहारी श्रीवास्तव और राकेशकुमार - बाल सतसई मीमांसा, आशा प्रकाशन, 8/48(1), आर्य नगर, कानपुर
3. डॉ. अर्जुन चव्हाण - विमर्श के विविध आयाम, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
4. डॉ. विजेन्द्र प्रताप सिंह - हिंदी उपन्यासों के आइने में थर्ड जेंडर, अमन प्रकाशन, कानपुर
5. डॉ. इकरार अहमद - किन्नर विमर्श साहित्य के आइने में, वाङ्मय बुक्स, अलीगढ
6. डॉ. प्रीति अग्रवाल - हिंदी कथा साहित्य में बाल विमर्श, नव जागरण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रकाश मनु - हिंदी बाल साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, 4/19, असफअली रोड, दिल्ली
8. डॉ. श्रीप्रसाद - हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, पहला मजला, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन, प्रयागराज (उ.प्र.)
9. डॉ. मीनाक्षी जयप्रकाश सिंह - किसान विशेषांक, 'अपनी माटी' त्रैमासिक ई-पत्रिका

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities Major in DSC Hindi

Semester-II Paper Code –HHINF551

Paper Title: क्षेत्रीय परियोजना (Field Project)

Curriculum Details: (for 4 Credits)

पूर्व अपेक्षित पाठ्यक्रम (Course pre-requisite)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 श्रेयांक अनिवार्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. छात्रों में सर्वेक्षणात्मक शोधदृष्टि निर्माण हो।
2. तार्किक और वैज्ञानिक सोच निर्माण हो।
3. तथ्य संकलन कौशल विकसित हो।
4. रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच विकसित हो।
5. सामाजिक प्रतिबद्धता से अवगत कराना है।

प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course outcomes)

1. तथ्यात्मक जानकारी का संकलन होगा।
2. तार्किक निष्कर्ष समाजपयोगी होंगे।
3. अनुसंधानात्मकदृष्टि विकसित होगी।
4. अन्य छात्रों के लिए प्रस्तुत परियोजना दिशादर्शक होगी।
5. भाषिक और लेखन कौशल विकसित होगा।

Semester-II Paper Code –HHINF551
Paper Title: क्षेत्रीय परियोजना (Field Project)
Curriculum Details: (for 4 Credits)

Module No.	Unit No.	Name of Topic	Total Hrs.
1		क्षेत्रीय शोध	12
	1.1	क्षेत्रीय शोध की परिकल्पना	
	1.2	क्षेत्रीय शोध विषय का चयन	
	1.3	क्षेत्रीय शोध का महत्व	
	1.4	क्षेत्रीय शोध की मौलिकता	
2		रूपरेखा तथा अध्ययन के स्रोत	12
	2.1	क्षेत्रीय अध्ययन की रूपरेखा	
	2.2	प्रत्यक्ष क्षेत्रीय कार्य	
	2.3	प्रथम स्रोत	
	2.4	दुय्यम स्रोत	
3		तथ्य संकलन पद्धति	12
	3.1	प्रश्नावली	
	3.2	साक्षात्कार	
	3.3	निरीक्षण	
	3.4	अनुसूची	
4		तथ्य संकलन का अध्ययन	12
	4.1	तथ्य संकलन	
	4.2	तथ्यों का वर्गीकरण	
	4.3	तथ्यों का विवेचन	
	4.4	तथ्यों का विश्लेषण	
5		शोध का अंतिम रूप	12
	5.1	निष्कर्ष	
	5.2	अनुसंधान पद्धति से लेखन	
	5.3	संदर्भ ग्रंथ सूची	
	5.4	मौखिकी (viva-voce)	
		TOTAL	60

टीप : उपर्युक्त क्षेत्रीय परियोजना (Field Project) पाठ्यक्रम छात्रों के मार्गदर्शन हेतु हैं। छात्रों ने अध्यापकों से मार्गदर्शन लेकर कुल 60 तासिकाओं में क्षेत्रीय परियोजना का कार्य पूर्ण करना है।

Semester-II Paper Code –HHINF551

Paper Title: क्षेत्रीय परियोजना (Field Project)

Curriculum Details: (for 4 Credits)

क्षेत्रीय परियोजना अध्ययन के उपविषय

1. सीमावर्तिय भाषाओं का अंतर्संबंध ।
2. सीमावर्तिय हिंदी भाषापर अन्य भाषाओं का प्रभाव ।
3. सीमावर्तिय क्षेत्र का लोकसाहित्य ।
4. अध्ययन-अध्यापन की हिंदी ।
5. महाविद्यालयीन छात्रों की हिंदी ।
6. अँग्रेजी माध्यम स्कूलों की हिंदी ।
7. नांदेड आकाशवाणी केंद्र में प्रयुक्त हिंदी ।
8. परभणी आकाशवाणी केंद्र में प्रयुक्त हिंदी ।
9. लातूर जिले की हिंदी ।
10. नांदेड जिले की हिंदी ।
11. परभणी जिले की हिंदी ।
12. हिंगोली जिले की हिंदी ।
13. अपने क्षेत्र के बाजार की हिंदी ।
14. बैंक/डाक/बीमा कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी ।
15. रेलवे स्टेशन की हिंदी ।
16. विभिन्न त्यौहारों की हिंदी ।
17. अपने क्षेत्र के हिंदी लोक गीत ।
18. मारवाडी/गुजराती/राजपूत लोगों की हिंदी ।
19. मुस्लिम परिवार में प्रयुक्त हिंदी ।
20. मराठी/हिंदी भाषिकों की हिंदी । तथा अन्य ।

Semester-II Paper Code –HHINF551

Paper Title: क्षेत्रीय परियोजना (Field Project)

Curriculum Details: (for 4 Credits)

शोध परियोजना मूल्यांकन के निकष

अ. क्र.	विवरण	अंक
1.	विषय चयन और पूर्व अनुसंधान	10
2.	तथ्य सामग्री	10
3.	अध्यायों का वर्गीकरण	10
4.	निष्कर्ष	10
5.	विवेचन और विश्लेषण	10
6.	संदर्भ ग्रंथ	10
7.	लेखन कौशल	10
8.	अनुसंधान पध्दति का प्रयोग	10
	कुल अंक	80

Semester-II Paper Code –HHINF551

Paper Title: क्षेत्रीय परियोजना (Field Project)

Curriculum Details: (for 4 Credits)

Teaching Scheme

Course Code 1	Course Name (Paper Title) 2	Teaching Scheme (HRS) 3	Credits Assigned 4
HHINF551	Field Project	04	04

Examination Scheme

20% Continuous Assessment (CA) and 80% End semester Examination (ESE)

Course Code 1	Course Name 2	Viva-Voce 3	Project	Total
HHINF551	Field Project	20	80	100

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. सर जार्ज अब्रहाम ग्रियर्सन - भारत का भाषा - सर्वेक्षण. (अनुवादक - उदयनारायण तिवारी) हिंदी समिति, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
2. गणेश देवी - भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण, गणेश देवी, हिंदी अनुवाद, ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 3-6-752, हिमायत नगर, हैदराबाद - 500029
3. डॉ. दीनानाथ फुलवाडकर - भाषा सर्वेक्षण, समता प्रकाशन, कानपुर
4. डॉ. मोहन लाल तिवारी - हिंदी भाषा पर फारसी और अंग्रेजी का प्रभाव, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणशी
5. माधुसूदन चतुर्वेदी - हैदराबाद में हिंदी, चतुर्वेदी प्रकाशन समिति, हैदराबाद
6. देवीसिंग चौहान - दख्खनी हिंदीतील इतिहास व इतर लेख, इतिहास संशोधन मंडळ, दादर, मुंबई - 14

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

Faculty of Humanities

MA (First Year)

Subject : Hindi

End of Semester Examination (ESE)

Question Paper Pattern (4 Credits)

Semester Pattern Effective from 2023-24, DSC/DSE/R.M.-Compulsory

(As Per NEP-2020)

Q.1. :-Short answers type question on entire syllabus. It will consists 5 Sub -questions.solve

any two of them.

Each Carries 10 Marks. Q. No. 1 will be compulsory

(20 Marks)

A) Short answer

B) Short answer

C) Short answer

D) Short answer

E) Short answer

Q.2. Long Answer type question from entire syllabus.

(20 Marks)

Q.3. Long Answer type question from entire syllabus.

(20 Marks)

Q.4 Long Answer type question from entire syllabus.

(20 Marks)

Q.5. Long Answer type question from entire syllabus.

(20 Marks)

Q.6 Long Answer type question from entire syllabus.

(20 Marks)

(Attempt Any Three Questions from Q.No.2 to 6)

(60 Marks)

Total= Q. 1 Marks - 20 + Q.2 To Q.6 Marks - 60 + CA Marks - 20 = 100 marks

Guidelines for Course Assessment:

A. Continuous Assessment (CA) (20% of the Maximum Marks):

This will form 20% of the Maximum Marks and will be carried out throughout the semester. It may be done by conducting **Two Tests and one Assignment**. Average of marks scored in these two tests and one assignment of a theory paper will make CA .

B. End Semester Assessment (80% of the Maximum Marks):

1. ESE Question paper will consists of 6 questions (each of 20 marks)
2. There will be 5 sub questions in Question No. 1 .Solve Any two of them.
3. Question No.1 will be compulsory and shall be based on entire syllabus.

2. Students are required to solve a total of 4 Questions .

1. Students need to solve ANY THREE of the remaining Five Question (Q.2 to Q.6) and shallbe based on entire syllabus.

C. Assessment of Term Work/ Tutorial/Field Works:-At least 08 test / assignments covering entire syllabus must be given during the 'class wise tutorial'. The assignments should be students' centric and attempts be made to make assignments more meaningful, interesting and innovative.Term work assessment must be based on overall performance of the student with every assignments graded time to time. The grades be converted to marks as per 'credit and gradingsystem' manual and should be added and averaged.

C. Assessment of Community Engagement Services:-*Students have freedom to take more than one CES courses, however, marks of the best performing CES be considered for final assessment. Assessment of the CES courses be done by the respective course coordinators depending on the performance of the student and his participation in the international, national, state, university, college level events or camps, wherever applicable. In other cases performance of a student be assessed depending on his/her regularity, participation in the regular activities in the semester.*

Note: Number of lectures required to cover syllabus of a course depend on number of credit assigned to it. For example, for a two credit course 30 lectures each of one hour duration are assigned, while that for a Four credit course 60 lectures.